एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

समाज-विज्ञानों की "सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका एवं कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन"

दिनांक : 26.09.2023

पंजीयन प्रपत्र

नाम ....

पदनाम ....

संस्था ....

....

जन्मतिथि ....

पता ....

....

मोबाईल ....

ई-मेल ....

शोध पत्र/आलेख का शीर्षक ....

....

पंजीयन शुल्क...नकद / UPI

UPI Payment ID ....

Payment Date & Time ....

दिनांक : .... हस्ताक्षर

(इस प्रपत्र की छायाप्रति मान्य है)

UPI Payment ID

Hemant Khare
Mob. 9977119118

WhatsApp Group QR

Group Link : http://surl.li/...

प्रेषक:

डॉ. एस.एल. निराला
प्राचार्य एवं संरक्षक
शासकीय जे.पी.वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
मो. 8839748096, ई-मेल : gpgacc.bsp@gmail.com

विद्या ऽ मृतमश्नुते

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

समाज-विज्ञानों की "सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका एवं कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन"

दिनांक : 26.09.2023

प्रति,

Book Post

आमंत्रण

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

समाज-विज्ञानों की "सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका एवं कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन"

दिनांक : 26.09.2023

विद्या ऽ मृतमश्नुते

:: आयोजक ::

राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विभाग

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

:: संरक्षक ::

डॉ. एस. एल. निराला
प्राचार्य एवं संरक्षक
शास. जे.पी.वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर

:: संयोजक ::

डॉ. दीपशिखा शुक्ला
प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग

:: आयोजन सचिव ::

डॉ. वंदना तिवारी
प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र विभाग

:: सह-संयोजक ::

डॉ. सुनील कुमार शर्मा
सहायक प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. संजय कुमार तिवारी
सहायक प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र विभाग (मो. 9424153615)

कार्यक्रम स्थल :

स्थान : महाविद्यालय सभागृह, समय : प्रातः 10 बजे से 05 बजे तक

महोदय / महोदया,

अत्यंत हर्ष के साथ आपको सूचित किया जाता है कि शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) में राजनीति विज्ञान विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 26.09.2023 को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित है। अतः हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित होकर सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे।

प्रस्तावना

कोई भी गणतंत्र सिर्फ शासकीय मशीनरी जनहित योजनाओं, कार्यक्रमों, एन.जी.ओ. एवं कल्याण जनित कार्यक्रम सिर्फ एकतरफा नहीं हो सकता इसके लिये सामुदायिक समाजों को ग्राह्य होना पड़ेगा ताकि वे सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं व कल्याण कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ ले सकें।

सामुदायिक विकास कार्यक्रम एक साझा अभियान है, जो शहरी या विशेष कर ग्रामीण समुदाय को प्रसार शिक्षा के माध्यम से, शासन की हितकारी योजनाओं की ओर उन्मुख करना है प्रशासन व जनता के बीच एन.जी.ओ. (गैर सरकारी हितकारी संगठन) व सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में छात्र अभिकर्ता जो स्वयं नेतृत्व कर मार्गदर्शन, संप्रेषक (सूचनाओं का) संयोजक, मॉडल प्रतिमान, उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकते है।

विकास सतत् चलता है पर मेट्रो शहरों में व तेज व ग्रामों में धीमा। साझा प्रयास (छात्र सामाजिक अभिकर्ता, प्रशासन, एन.जी.ओ के) अभिकर्ता। समुदाय कल्याण उन्हीं के साधनों के साथ करें। जैसे उन्नत चांवल तकनीक, ग्रामीण बैंक सहायता, सोलर एनर्जी, जूट उद्यम, गोबर गैस अर्थात स्वउद्यम को प्रोत्साहन इत्यादि से सामाजिक उत्थान तेजी होगा। समाज विज्ञान के छात्र यह कार्य करे "समाज विज्ञानों की उपादेयता" समाज के हित के लिये है। उक्त तथ्य को सार्थक सिद्ध कर सकेंगे। इस विचार मंथन में आपका बौद्धिक सहयोग अपेक्षित है।

चर्चा के प्रमुख बिन्दु :

1. समाज विज्ञान के रूप में सामुदायिक विकास में योगदान – परंपरागत भारतीय राजनीतिक विचारकों व आर्थिक विचारकों, राष्ट्र निर्माताओं के उपरोक्त संबंध में विचार।
2. राष्ट्र निर्माण में स्वयं सहायता कार्यक्रम की भूमिका एवं ग्रामीण विकास।
3. स्वउद्यम, लघु उद्योग व शहरी विकास तथा आत्म निर्भरता।
4. भारत के सामाजिक, राजनीतिक विकास पर सिविल सोसायटी का प्रभाव।
5. सिविल सोसायटी व सामुदायिक विकास श्रेष्ठजन का योगदान।
6. वैश्वीकरण व भारत में सामाजिक, आर्थिक विकास की समस्यायें।
7. समकालीन वैश्विक मुद्दे व भारत राष्ट्र के गाँधीवादी विकल्प की प्रासंगिकता।
8. भारतीय राष्ट्रीय राज्य – वर्तमान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्थिति एवं गाँधीवादी संकल्पना व कोविड में भारत की भूमिका।
9. भारत सरकार की कुटीर उद्योग, ग्राम विकास योजना।
10. "स्वान्तः सुखाय बहुजन हिताय व दृष्टिकोण विदेशनीति, राष्ट्रीयहीत, आर्थिकबल व आत्मनिर्भरता" उद्यम और श्रमिक उत्थान का लक्ष्य।

महाविद्यालय का परिचय

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) की उत्पत्ति एस.बी.आर. कॉलेज से हुई है, जिसकी स्थापना 1944 में बिलासपुर शहर के साथ–साथ आसपास के गांवों के सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। महाविद्यालय को सरकार ने 1972 में अपने अधीन ले लिया। छत्तीसगढ़ सरकार ने क्षेत्र के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता श्री जे.पी. वर्मा को सम्मानित करने के लिये इस महाविद्यालय का नाम शासकीय जे.पी.वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर किया । वर्तमान में यह अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ से सम्बद्ध है।

शोध पत्र आमंत्रण :

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय/उपविषयों पर आधारित शोध पत्र आमंत्रित है। चुने हुये शोध पत्रों को के साथ संदर्भ ग्रंथ के रूप में संपादित कर प्रकाशित करने की योजना है। शोधपत्र शब्द सीमा 2000 से अधिक न हो। हिन्दी के शोधपत्र कृतिदेव 10, फॉन्ट साईज 15 (स्पेसिंग 1.5) एवं अंगेजी भाषा के शोध पत्र Times New Roman के font size 12 (Spacing 1.5) में टाईप किया हुआ शोधपत्र पूर्ण पेपर दिनांक 04.10.2023 तक (वर्ड फाईल) में निम्न ई–मेल पर पते पर भेज सकते है – skt4279@gmail.com, hemant.khare17@gmail.com.

प्रतिभागी हेतु पंजीयन शुल्क	–	500/– रूपये
शोधार्थी हेतु पंजीयन शुल्क	–	200/– रूपये
महाविद्यालयीन छात्र/छात्राओं हेतु	–	100/– रूपये

ऑनलाईन पंजीयन गूगल फार्म :

Scan the QR for fill Registration Form

or Click the following link

https://forms.gle/13iFQMBs79sHoexU7

शोध संगोष्ठी का प्रसारण :

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का प्रसारण गुगल मीट पर भी किया जायेगा । जिसका लिंक अलग से वाट्स–अप पर शेयर किया जायेगा।

आमंत्रित अतिथि

स्त्रोत मुख्यवक्ता

श्रीमती फुलबासन बाई यादव
"पद्म श्री" (भारत सरकार)

श्री हरीश केडिया
अध्यक्ष
छ.ग. लघु एवं कुटीर उद्योग संघ
बिलासपुर (छ.ग.)

श्री रूद्र अवस्थी
वरिष्ठ पत्रकार,
सी.जी.वाल. न्यूज वेब पोर्टल

श्री शिरीष गिर
चीफ मैनेजर
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
व्यापार विहार ब्रांच, बिलासपुर (छ.ग.)

अतिथिगण

श्री संजू पटेल
सामुदायिक विकास अभिकर्ता

श्रीमती सुनीता भट्ट
पूर्व मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शक
टाटा कंसल्टेंसी

आयोजन समिति

:: संयोजक ::
डॉ. दीपशिखा शुक्ला
मो. 8319011029

:: आयोजन सचिव ::
डॉ. वंदना तिवारी
मो. 9300323728

:: सह-संयोजक ::
डॉ. सुनील कुमार शर्मा
मो. 9425539150

डॉ. संजय कुमार तिवारी
मो. 9424153615

:: सदस्य ::

1. डॉ. माया यादव (7000986301)
2. डॉ. किरन एक्का (9406037586)
3. डॉ. हेमन्त खरे (9977119118)
4. डॉ अनुराग दुबे (9907966077)

नाम	हस्ताक्षर
1) लेनेन्द्र भान सुर्यवंशी MA Istsem Political science	Lenendra.
2) विशाल कुमार सुर्यवंशी	विशाल
3) Suraj Kumar	Suraj
4) Devash Meshram	[illegible]
5) Rejis Tirkey	[illegible]
6) Shekhar Manhar	Shekhar
7) Girish Vijay Parate (Pol.Sci I sem)	Parate
8) दिलीपालीसाहू (राजनीति)	[illegible]
9) Ashish Kumar Dhuri	Ashish
10) ऐश्वर्या साहू - MA I	Ashy
11) शिखा कुशराम - MA - I	शिखा
12) राहुल ध्रुवशी	[illegible]
13) योगेश सिंह ठाकुर M.A I Sem	योगेश सिंह
14) बिंदिया नाग BA - I	Bindiya
(15) कविता	कविता सिंह
(16) निर्मला आर्मो MA I	[illegible]
(17) नेहा कौशिक M.A. I	N Kaushik
(18) जितेन्द्र कुमार M.A. I	[illegible]
(19) Shatrughan Sahu M.A. I (Pol.Sci)	[illegible]
20) यशवंत राजपूत	Rajput

(21) Shitla Lodhi — Shitla

(22) मधुलता — मधुलता

(23) विद्या सिंह ठाकुर III (M.A) — Thakur

(24) माधुरी सोनवानी III (M.A.) — Madhuri

(25) नागेश्वरी लोधी III (M.A) — Nageshwari

(26) Chandradev jeet Nanda (M.A) Eco — [signature]

(24) प्रेमजीत हृतलहरे (M.A.) Poli. — [signature]

(25) सुनीता पारकर (M.A) P. — Sunita

(26) श्रद्धा क्यादु B.A-II — Shraddha

(27) Kavita Shrivas B.A-II — Kavita

(28) Prashant Mahilane (MA I) P — प्रशान्त..

(29) Niket Khune (MA.I) — [signature]

(30) Aakanchha adile (MA I) — [signature]

(31) Lalita sahu (M.A. I) — Lalita Sahu

(32) Aditi Painkra (MA I) — Aditi Painkra

(33) Sadhana (M.A. I) — [signature]

(34) देवकुमारी (pol. m.A.-sem I) — देवकुमारी

(35) मीना साहू (M.A. I) — मीना साहू

36 दीपमाला पाटले (M.A.I) — दीपमाला पाटले

37 रेशम नंदेश्वर (B.A I) — Resham

38 कौशिल्या यादव (M.A I) Polit — [signature]

39 मंजू कोरम (M.A.I) P — [signature]

40) प्रिया उइके (M.A. I) P — [signature]

41) मोनिका लहरे (M.A.I) P — Monika

(42) चन्द्रवती हृतलहरे (M.A.I) P — [signature]

(43) मेघा क्षत्री (M.A.I) P — [signature]

(44) सोनम कश्यप (M.A.I) P — सोनम कश्यप

(45) श्वेता सूर्यवंशी (M.A I sem) P.S. — श्वेता

(46) वर्षा सोनवानी (M.A I sem) P.S — Varsha

(47) गजेन्द्र (B.A II) — गजेन्द्र

(48) रविन्द्र सिंह (B.A (II) — [signature]

(49)	विवेक कुमार	B.S.C(II) Bio	(Vivek)
(50)	शालिनी सोनवानी	B.Sc(II) Bio	Shalini
(51)	कुणाल गिरीगोस्वामी	B.Sc (I) CS	कुणाल गिरीगोस्वामी
(52)	नेहा सिंह क्षत्री	M.A. राजनीति विज्ञान (I) se.	[illegible]
(53)	[illegible]	M.A. Po.S.	[illegible]
(54)	रेखा [illegible]	[illegible]	रेखा [illegible]
(55)	ज्योति ध्रुव	~~MA~~ (M.A) ~~III sem~~	Jyoti
(56)	लक्ष्यकुमार	(M.A III)	Ksahu
(57)	धर्मेन्द्र कुमार	MA I sem. Poll.	[illegible]
(58)	डॉ० वीणा तिवारी	प्राध्यापक (इतिहास)	V. Tiwari
59	Dr. Savitri Tripathi	Prof. Eng.	[illegible]
60	Dr. [illegible] Tiwari		[illegible]
61	Dr. M.K. Pandey	~~Asst Prof~~ [illegible]	[illegible]
62	Dr. K.K. Bhandari	Professor	[illegible]
63.	Dr S.K. Tiwari	Asstt. Prof	[illegible]
64	DR. A. TIRKEY		[illegible]
65.	Sanjive patel		[illegible]
66.	Anju Koshle	Astt. prof.	[illegible]
67	Smt Kusumlata Sahgal	Asst Prof.	[illegible]
68	Dr. Jitendra Kumar Dewnalo.	Asst. Prof. Pol. Sci.	[illegible]
69.	Prof. Akhilesh Kumar Pandey,	Asst. Prof. History	[illegible]
70)	Prof. Sandhya Jaiswal.	Professor. C.V.RU.	[illegible]
(71)	Dr Avinash Kumar Lall	Govt. Naveen College Amlidih Raipur	[illegible]
(72)	Dr. Shweta Kaushik.	(Asst. prof Botany)	[illegible]
(73)	Smt. Mithu Adhikari	[Asst. Prof. Economics]	M. Adhikari

प्रतिवेदन

26 सितंबर 2023

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

राजनीति–विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 26.09.2023 को पूर्व नियोजित कार्यक्रम सम्पन्नता प्रतिवेदन

संगोष्ठी का विषय नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत नवाचार के तहत् ''समाज विज्ञानों की सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका एवं कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन'' था।

कोई भी गणतंत्र सरकारी मशीनरी की कल्याणजनित कार्यक्रमों से एकतरफा विकास नही कर सकती, इसके लिए प्रशासन व जनता के बीच गैर सरकारी, हितकारी अभिकरण व सामाजिक कार्यकर्ताओं के रूप में छात्रों को स्वयं नेतृत्व कर, मार्गदर्शक, संप्रेषक (सरकारी सूचनाओं) का संयोजक, रोल मॉडल और उत्प्रेरक की भूमिका निभानी होगी।

ग्रामीण समुदाय का कल्याण उन्हीं के संसाधनों के साथ किया जा सकता है, जैसे उन्नत चांवल, तकनीक, सोलर एनर्जी, जूट उद्यम, गोबर गैस जैसे स्वउद्यम तेजी से प्रोत्साहन कर ग्रामीण विकास तेजी से होगा।

प्रसार शिक्षा (प्रधानमंत्री जनधन योजना) अन्तोदय शहरी, ग्रामीण इत्यादि। के द्वारा छात्र अपने समाज में अनपढ़ जनता को उपयोगी सूचना प्रदाय कर उसका प्रयोग सीखा कर ग्राम्य विकास में महती भूमिका निभा सकते हैं, इस उदे्श्य से हमारा कार्यक्रम पद्मश्री सम्मानित, समाजसेवी श्रीमती फूलबासन बाई यादव के उद्बोधन के साथ शुरू हुआ।

इन्होंने नारी शक्ति को कहा कि आप भी हमारी तरह शून्य से एकजुट समिति संकुल बना कर अपना मूल्य बढ़ा सकते हैं।

छ.ग. लघुकुटीर उद्योग संघ के बिलासपुर अध्यक्ष श्री केड़िया जी ने कहा कि पर्यटन, फूडप्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मिलेट्स भी एक बढ़िया कैरियर विकल्प हो सकता है।

स्वतंत्र पत्रकार, C.G. Wall Web Portal प्रमुख श्री रूद्र अवस्थी ने कहा, कि वैश्वीकरण के गतिशील समाज में हम पुरानी चीजों को ना पकड़े। वैश्विक बाजार मंडी तलाशनी होगी और अपनी ऊर्जा का बेहतर प्रयोग करें। श्री गिरीश मुख्य प्रबंधक ने स्वउद्यम के लिए स्टार्टअप योजना और अन्य बैंक योजनाओं से परिचय कराया। सामुदायिक विकास में वित्त क्षेत्र, समितियों को अलग से ऋण प्रदान करते है।

संयोजक डॉ. दीपशिखा शुक्ला ने विषय के समस्त चर्चा बिंदुओं पर प्रकाश डाला तथा संगोष्ठी के आयोजन और विचार मंथन के लिए इस क्षेत्र के लिए उपयोगी ग्रामीण रोजगार शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा की आवश्यकता के बारे में समझाया।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्राध्यापक, राजनीति–विज्ञान एवं IQAC नैक प्रभारी डॉ. एस.के. तिवारी एवं आभार ज्ञापन डॉ. एस.के. शर्मा, प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष ने किया।

कार्यक्रम डॉ. वंदना तिवारी के नेतृत्व में सरस्वती पूजा से प्रारंभ की गई। डॉ. माया यादव (राजनीति–विज्ञान) द्वारा रिर्पोटिंग की गई एवं डॉ. किरण एक्का सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र विभाग) ने पंजीयन प्रभार का दायित्व संभाला। डॉ. हेमंत खरे, सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र विभाग) ने प्रेस विज्ञप्ति दी व डॉ. सुनील कुमार शर्मा, प्राध्यापक (अर्थशास्त्र) भोजन व्यवस्था व स्वल्पाहार के संयोजक रहें।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक बाहर से आये विभिन्न प्राध्यापकगण एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे।

नई दुनिया, पत्रिका, हरिभूमि, स्थानीय आखबारों एवं वेब पोर्टल C.G. Wall पर समाचार का प्रसारित हुए।

शोध संगोष्ठी में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन मिश्रित मोड में संचालित किया। पंजीयन ऑनलाइन 45 तथा ऑफलाइन था 125 पंजीयन किये गये। कार्यक्रम में IQAC एवं पूरे महाविद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता रही

संलग्न प्रपत्र :–

1. ब्रोशर
2. ऑनलाइन गूगल फार्म
3. छायाचित्र
4. वीडियोग्राफी
5. राशि विवरण
6. सहभागी एवं पंजीकृत छात्रों के हस्ताक्षर की प्रति
7. अखबार कटिंग की फोटोग्राफी
8. ई. रिपोर्टिंग में उपरोक्त दस्तावेज IQAC विभाग को सॉफ्टकापी में प्रषित।

विभागाध्यक्ष
राजनीति–विज्ञान विभाग

संगोष्ठी : जेपी वर्मा महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित

'एक के साथ शून्य को बैठाकर खुद का मूल्य बढ़ाएं'

बिलासपुर @ पत्रिका. शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा कॉलेज में मंगलवार को राजनीति विज्ञान व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समाज विज्ञानों की सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका व कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी की मुख्य अतिथि पद्मश्री फूलबाई बासन यादव ने बताया कि एक के साथ शून्य को कैसे बैठाकर खुद का मूल्य बढ़ाया जाता है। महाविद्यालय के संरक्षक व प्राचार्य डॉ. श्यामलाल निराला ने आगमन के लिए आभार प्रकट किया। शोध संगोष्ठीकासंक्षिप्त परिचय राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दीपशिखा शुक्ला ने दिया। विषय में प्रवेश करने के संदर्भ में सबसे पहले मैनेजर स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया शिरीष गिर ने सामाजिक व सामुदायिक विकास में वित्तीय क्षेत्र की भूमिका पर विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया। रूद्र अवस्थी ने स्कूल शिक्षा, उद्यमिता व कृषि पर विशेष व्यक्तव्य प्रदान किया। अध्यक्ष लघु एवं कुटीर उद्योग संघ के हरीश केडिया उन्नति के मार्ग प्रशस्त करने के गुर बताए। वहीं पूर्व छात्र सामुदायिक विकास अभिकर्ता संजू पटेल ने नशामुक्ति पर बल दिया।

ये रहे उपस्थित

राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ. दीपशिखा शुक्ला, सह-संयोजक डॉ. सुनीलकुमार शर्मा एवं डॉ. संजयकुमार तिवारी व आयोजन समिति के सचिव डॉ. वंदना तिवारी, डॉ. किरण एक्का और विभाग के अन्य सदस्य डॉ. साया यादव, हेमन्त खरे, अनुराग दुबे रहे।

जेपी वर्मा कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी
छात्रों ने जाना व्यापार का प्रारंभिक गुण

बिलासपुर। शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा महाविद्यालय में 'सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका एवं कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पद्मश्री फूलबाई बासन यादव थे। अन्य अतिथियों में छग लघु एवं कुटीर उद्योग संघ बिलासपुर के अध्यक्ष हरीश केडिया, वरिष्ठ पत्रकार रुद्र अवस्थी, एसबीआई के चीफ मैनेजरं शिरीष गिर, पूर्व छात्र संजू पटेल थे। डॉ. दीप शिखा शुक्ला ने जानकारी प्रदान की। प्राचार्य डॉ. श्यामलाल निराला ने सभी का आभार प्रकट किया। विषय में प्रवेश करने के संदर्भ में एसबीआई के चीफ मैनेजर श्री गिर ने सामाजिक एवं सामुदायिक विकास में वित्तीय क्षेत्र की भूमिका पर प्रकाश डाला। रूद्र अवस्थी ने स्कूल शिक्षा, उद्यमिता एवं कृषि पर विशेष वक्तव्य प्रदान किया। श्री केडिया ने विद्यार्थियों को व्यापार के प्रारम्भिक गुण उन्नति का मार्ग प्रशस्त कैसे करें यह गुण बड़े ही ऊर्जापूर्ण एवं प्रभावपूर्ण रूप से बतलाया गया। मुख्य वक्ता फूलबासन बाई यादव ने बताया कि एक के साथ शून्य को कैसे बैठाकर खुद का मूल्य बढ़ाया जाता है। संगोष्ठी में डॉ. दीपशिखा शुक्ला, डॉ. सुनील कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

नारी शक्ति शून्य से बढ़ाएं अपना मूल्यः पद्मश्री फूलबासन

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा महाविद्यालय में हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगोष्ठी के दौरान मंच पर आसीन अतिथि

राष्ट्रीय संगोष्ठी की मुख्य अतिथि पद्मश्री फूलबासन बाई यादव ने नारी शक्ति से आह्वान करते हुए कहा कि शून्य से अपना मूल्य बढ़ाएं। जिंदगी में कोई भी चीज नामुमकिन नहीं है। जरूरत है तो एक मजबूत दृढनिश्चय की। संघर्षों का मैदान मत छोड़ें। जीत पक्की है।

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मंगलवार को राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में समाज विज्ञानों की ''सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका एवं कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के मुख्य अतिथि पद्मश्री फूलबासन बाई यादव, छत्तीसगढ़ लघु एवं कुटीर उद्योग संघ बिलासपुर के अध्यक्ष हरीश केडिया, वरिष्ठ पत्रकार रुद्र अवस्थी एवं एसबीआइ के चीफ मैनेजर शिरीष गिर मंच पर उपस्थित थे। विशेष रूप से आमंत्रित महाविद्यालय के पूर्व छात्र संजू पटेल मौजूद रहे। मुख्य अतिथि पद्मश्री फूलबासन ने आगे कहा कि एक के साथ शून्य को कैसे बैठाकर खुद का मूल्य बढ़ाया जाता है। एक नारी का संघर्ष एक समाज को कैसे मजबूत बना सकता है यह फूलबासन बाई यादव ने अपनी गरीबी के संघर्ष को विद्यार्थियों तक बताते हुए स्पष्ट किया कि आप अधिकारी-कर्मचारी बनें या संघर्ष करते हुए अपने आप की कंपनी बनाएं या मालिक बनें।

ये रहे शामिल

शोध संगोष्ठी के विषय प्रवेश एवं संक्षिप्त परिचय राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा.दीपशिखा शुक्ला ने दिया। अध्यक्षता प्राचार्य डा.एसएल निराला ने किया। इसं राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डा. दीपशिखा शुक्ला, सह-संयोजक डा. सुनील कुमार शर्मा एवं डा. संजय कुमार तिवारी तथा आयोजन समिति के सचिव डा. वंदना तिवारी, डा. किरण एक्का एवं विभाग के अन्य सदस्य डा. माया यादव, हेमंत खरे एवं अनुराग दुबे थे।

युवा पढ़ाई के साथ बिजनेस को भी समझें : हरीश केडिया

छत्तीसगढ़ लघु एवं कुटीर उद्योग संघ बिलासपुर के अध्यक्ष हरीश केडिया ने कालेज स्टूडेंट्स को समझाया कि पढ़ाई के साथ बिजनेस को भी समझें। युवाओं से अपील करते हुए कहा कि आधुनिक भारत में पढ़ाई का तरीका बदल रहा है। परंपरागत विषयों के साथ अपनी मनपसंद विषयों का चुनाव कर बेहतर भविष्य निर्माण किया जा सकता है। पर्यटन, फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मिलेट्स एक जबरदस्त करियर आप्शन हो सकता है। अपने एक दोस्त के संघर्ष को बताते हुए विद्यार्थियों को व्यापार के प्रारंभिक गुण उन्नति के मार्ग प्रशस्त कैसे करें यह गुण बड़े ही ऊर्जापूर्ण एवं प्रभावपूर्ण रूप से बतलाया।

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
समाज-विज्ञानों की "सामाजिक सामुदायिक विकास में भूमिका एवं कौशल उद्यमिता को प्रोत्साहन"
दिनांक : 26 सितम्बर 2023
:: आयोजक ::
राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विभाग
शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर

में अवसर 4
01 01 01 01
NA PRASAD VERMA
MERCE COLLEGE,
MEETING
2022

NCC